ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 22 मई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 44

सुप्रीम कोर्ट ने क्रीमी लेयर आरक्षण पर जताई चिंता, कहा- IAS अफसरों के बच्चों को आरक्षण क्यों?

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में क्रीमी लेयर के तहत आरक्षण दिए जाने को लेकर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि यदि माता-पिता दोनों IAS अधिकारी हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता भी बढ़ती है। ऐसे में आर्थिक और सामाजिक रूप से संपन्न वर्गों को लगातार आरक्षण का लाभ देना संतुलन के खिलाफ हो सकता है।

कर्नाटक के 'कुरुबा' समुदाय से जुड़ा मामला

मामला कर्नाटक के 'कुरुबा' समुदाय के एक उम्मीदवार से जुड़ा है, जिसे राज्य की पिछड़ा वर्ग सूची में श्रेणी II(A) में रखा गया है। उम्मीदवार का चयन कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक इंजीनियर के पद पर आरक्षित कोटे के तहत हुआ था।



हालांकि जिला जाति और आय सत्यापन समिति ने उसे जाति वैधता प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया। समिति का कहना था कि उम्मीदवार का परिवार क्रीमी लेयर की श्रेणी में आता है। अधिकारियों के अनुसार उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय लगभग 19.48 लाख रुपए है और उसके माता-पिता दोनों सरकारी कर्मचारी हैं। वर्तमान नियमों के मुताबिक OBC आरक्षण में क्रीमी लेयर की सीमा सालाना 8 लाख रुपए निर्धारित है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणियां

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि: जिन परिवारों ने सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रगति कर ली है, उन्हें लगातार आरक्षण का लाभ मिलता जा रहा है। उच्च शिक्षा और आर्थिक मजबूती से सामाजिक स्थिति में भी सुधार आता है। आरक्षण सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए जरूरी है, लेकिन इसमें संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है।

याचिकाकर्ता की दलील

उम्मीदवार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक रत्नू ने तर्क दिया कि सरकारी कर्मचारियों के मामले में केवल वेतन को क्रीमी लेयर तय करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा श्रेणी, जैसे ग्रुप A या ग्रुप B, अधिक महत्वपूर्ण है। यदि सिर्फ वेतन को आधार माना गया तो ड्राइवर, क्लर्क और चपरासी जैसे निम्न स्तर के कर्मचारियों के बच्चों को भी आरक्षण से वंचित होना पड़ सकता है।

हाईकोर्ट में बदला फैसला

इससे पहले मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में भी पहुंचा था। सिंगल बेंच ने उम्मीदवार के पक्ष में फैसला देते हुए कहा था कि माता-पिता की सैलरी को क्रीमी लेयर निर्धारण में नहीं जोड़ा जाना चाहिए। हालांकि बाद में डिवीजन बेंच ने इस फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार का 8 सितंबर 1993 का आदेश केवल केंद्र सरकार की नौकरियों और आरक्षण व्यवस्था पर लागू होता है, इसे सीधे कर्नाटक की राज्य आरक्षण व्यवस्था पर लागू नहीं किया जा सकता।

NEET पेपर लीक मामले में CBI की बड़ी कार्रवाई, 11वीं गिरफ्तारी पुणे से



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। NEET पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने शुक्रवार को 11वें आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मनीषा संजय हवलदार के रूप में हुई है, जो सेठ हीरालाल सराफ प्रशाला कॉलेज में शिक्षिका हैं। जांच एजेंसी के अनुसार मनीषा NEET परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी हुई थीं और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने उन्हें एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। बताया गया है कि उन्हें फिजिक्स प्रश्नपत्र तक पहुंच प्राप्त थी। आरोप है कि अप्रैल 2026 में उन्होंने फिजिक्स से जुड़े कुछ सवाल अन्य आरोपी मनीषा मंधारे के साथ साझा किए थे। मनीषा मंधारे को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर समेत कई शहरों से कुल 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जांच में बड़ा खुलासा

CBI जांच में सामने आया है कि NEET का पेपर पांच राज्यों में बेचा गया था। एजेंसी के अनुसार सबसे ज्यादा बिक्री महाराष्ट्र में हुई, जबकि दूसरा स्थान राजस्थान का रहा। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और डिजिटल डिवाइस की जांच के दौरान यह जानकारी मिली है। जांच एजेंसी को महाराष्ट्र और राजस्थान में प्रश्नपत्र के प्रिंट निकालकर बेचने के सबूत भी मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ लोगों ने पेपर को आगे अन्य छात्रों और परिजनों तक पहुंचाया। CBI का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पेपर कितने छात्रों तक पहुंचा था।

अब रडार पर छात्र और अभिभावक

जांच एजेंसी अब केवल पेपर लीक करने वाले बिचौलियों और मास्टरमाइंड तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी रकम देकर पेपर खरीदने वाले अभिभावकों की भी सूची तैयार की जा रही है। CBI उन बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनसे आरोपी शिवराज मोटेगांवकर, पी.वी. कुलकर्णी और उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे के खातों में पैसे ट्रांसफर हुए थे। एजेंसी की कई टीमें अलग-अलग राज्यों में छापेमारी और आगे की गिरफ्तारी की तैयारी में जुटी हुई हैं। महाराष्ट्र में कार्रवाई की शुरुआत हो चुकी है और जल्द ही अन्य राज्यों में भी जांच तेज किए जाने की संभावना है।

पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को मिल रहीं धमकियां



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी को पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार बिक्रम कुमार ने दावा किया है कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में बिक्रम ने बताया कि उन्हें पाकिस्तान और बांग्लादेश से फोन कॉल आ रहे हैं, जिनमें उनकी दुकान उड़ाने की धमकी दी जा रही है। बिक्रम कुमार के अनुसार कुछ लोगों ने वीडियो कॉल के जरिए हथियार भी दिखाए। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण उनका पूरा परिवार तनाव में है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने 20 अप्रैल को झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान रोड शो किया था। इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे स्थित बिक्रम कुमार की दुकान पर रुककर झालमुड़ी खरीदी और खाई थी। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो और तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की थीं। वीडियो में मोदी दुकान पर झालमुड़ी लेते, बच्चों को खिलाते और दुकानदार से बातचीत करते नजर आए थे।

"कभी नहीं सोचा था कि पीएम दुकान पर आएंगे"

बिक्रम कुमार मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और फिलहाल अपने परिवार के साथ पश्चिम बंगाल में रहते हैं। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि देश के प्रधानमंत्री उनकी दुकान पर आकर झालमुड़ी खाएंगे। बिक्रम ने बताया था कि उन्होंने पैसे लेने से मना किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने जबरदस्ती भुगतान किया और झालमुड़ी की तारीफ भी की। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने उनसे पढ़ाई और कमाई के बारे में पूछा था। बिक्रम ने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे ज्यादा पढ़ाई नहीं कर सके और रोजाना करीब 1000 से 1200 रुपए की कमाई कर लेते हैं। उनके मुताबिक प्रधानमंत्री करीब 10 मिनट तक दुकान पर रुके थे और इस दौरान कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई थी।

जाशमा स्कूल में छत की पट्टियां गिरने से मचा हड़कंप, छुट्टियां होने से टला बड़ा हादसा

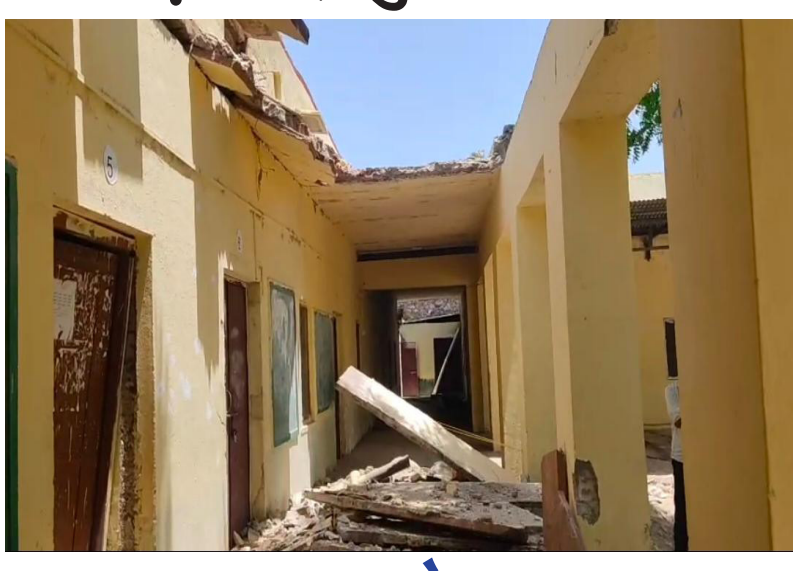

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)।। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाशमा में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूल भवन की छत की पट्टियां अचानक भरभराकर नीचे गिर गईं। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार विद्यालय भवन का एक हिस्सा काफी पुराना और जर्जर अवस्था में है। गुरुवार को अचानक बरामदे की छत की पट्टियां टूटकर गिर गईं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूल परिसर में पहुंच गए और मामले की जानकारी विद्यालय प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों को दी गई। शुक्रवार सुबह प्रशासनिक और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण करने वालों में महेश कुमार गगोरिया (एसडीएम), लक्ष्मण सिंह चुंडावत, मुरलीधर शर्मा तथा एईएन रणजीत सिंह गोदारा शामिल रहे। अधिकारियों ने स्कूल स्टाफ से घटना की जानकारी ली और क्षतिग्रस्त हिस्से का बारीकी से जायजा लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि विद्यालय भवन करीब 60 वर्ष पुराना है और लंबे समय से जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। एसडीएम ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से को तत्काल 'नो-गो जोन' घोषित कर वहां बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भवन की जल्द मरम्मत करवाने का आश्वासन भी दिया गया है। विद्यालय के संस्था प्रधान नवनीत आगाल ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका था। उन्होंने कहा कि बरामदे की एक पट्टी में पहले से दरार आने पर एहतियात के तौर पर वहां रस्सी बांधकर आवाजाही रोक दी गई थी। उन्होंने बताया कि पूर्व में चित्तौड़गढ़ से आई टेक्निकल टीम ने निरीक्षण कर पांच लाख रुपए की मरम्मत का एस्टीमेट बनाया था, लेकिन अब तक बजट स्वीकृत नहीं हो पाया। नवनीत आगाल ने कहा कि ईश्वर की कृपा रही कि घटना रात के समय और छुट्टियों के दौरान हुई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद जिला स्तर की टेक्निकल टीम ने भी मौके का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट आगे भेज दी है। वहीं जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उपखंड अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी मद से बजट स्वीकृत कर भवन की मरम्मत करवाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान संपत लाल बोरदिया, देवीलाल लोहार, घीसू लाल जाट, दिलीप जैन, राजू धोबी, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक बोले-शिक्षामंत्री इस्तीफा दो, माता-पिता ने जताई चिंता, कहा अनहोनी ना हो जाए बेटे के साथ



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अभिजीत दीपके द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) चर्चा में आ गई है। अभिजीत ने वीडियो में लोगों से एक ऑनलाइन पिटीशन पर अधिक से अधिक साइन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पिटीशन शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू की जा रही है, ताकि "सिस्टम की गलती पर सवाल उठाए जा सकें।" बताया जा रहा है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' का गठन भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी के विरोध में किया गया। दावा किया गया कि 15 मई को हुई सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगारों को "कॉकरोच" कहकर संबोधित किया गया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया।

माता-पिता ने जताई चिंता

अभिजीत दीपके के माता-पिता भगवान और अनीता दीपके, जो छत्रपति संभाजीनगर में रहते हैं, ने एक मराठी न्यूज चैनल से बातचीत में बेटे की बढ़ती लोकप्रियता और राजनीतिक सक्रियता को लेकर चिंता जताई। भगवान दीपके ने कहा कि वर्तमान माहौल को देखते हुए उन्हें डर है कि उनका बेटा किसी कानूनी या अन्य परेशानी में पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अभिजीत ने खुद भी भारत लौटने पर गिरफ्तारी की आशंका जताई है। वहीं, अभिजीत की मां अनीता दीपके ने कहा कि वे नहीं चाहतीं कि उनका बेटा राजनीति में जाए। उन्होंने बताया कि अभिजीत पहले आम आदमी पार्टी के साथ भी काम कर चुका है और उस समय भी उन्होंने उसे राजनीति से दूर रहकर नौकरी करने की सलाह दी थी।

फॉलोअर्स को लेकर भी चर्चा

सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया जा रहा था कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के अधिकांश फॉलोअर्स पाकिस्तान, बांग्लादेश और अमेरिका जैसे देशों से हैं और भारत के फॉलोअर्स कम हैं। हालांकि पार्टी की ओर से कहा गया है कि उसके करीब 96 प्रतिशत फॉलोअर्स भारतीय हैं।

संपादकीय : चुनौतियों के बीच

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद जिस स्तर पर वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हुई, उसका प्रभाव दुनिया के ज्यादातर देशों पर पड़ा है। भारत में भी आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की वजह कई स्तर पर झटके लगे हैं, जिसका सीधा असर देश की आर्थिक संरचना पर पड़ा है। इसके बावजूद भारत ने अपने स्तर पर हालात से निपटने की कोशिश की है और यही वजह है कि आने वाले दिनों की चुनौतियों के समांतर कुछ सकारात्मक संकेत अब भी कायम हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादातर देशों को लगे आर्थिक झटकों के असर का दायरा अब भी फैल रहा है और शायद संयुक्त राष्ट्र की ओर से इन्हीं वजहों से भारत की विकास दर प्रभावित होने की आशंका जाहिर की गई है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की विकास दर 6.6 फीसद से घट कर 6.4 फीसद हो सकती है। निश्चित तौर पर यह भारत के लिए एक चुनौती भरा वक्त साबित हो सकता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने जिस तरह विकास दर में इस अनुमानित संशोधन के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बने रहने का आकलन पेश किया है, उससे एक उम्मीद भी पैदा होती है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद जैसी स्थितियां पैदा हुई, उसका असर इस रूप में आने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। सच यह है कि न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अप्रत्याशित साबित हो रहे संकट का दायरा और भी विस्तृत हो सकता है, क्योंकि 2026 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान भी महज 2.5 फीसद आंका गया है। यह छिपा नहीं है कि दुनिया के ज्यादातर प्रभावित देशों में इसकी वजह से विकास की रफ्तार धीमी हुई है और सभी जगहों पर महंगाई का दबाव तेजी से बढ़ा है। आम लोगों की क्रयशक्ति कमजोर होने का सीधा असर बाजार पर पड़ता है और उसका सिरा आगे उत्पादन क्षेत्र तक भी जाता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए नीति निर्माण के मामले में विकल्प कम होते जाते हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा कीमतों में उछाल और व्यापारिक अनिश्चितता का प्रत्यक्ष प्रभाव भारत समेत कई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। खासतौर पर ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध से उपजे हालात में तेल आयात पर निर्भर देशों की चिंताएं बढ़ी हैं। सच यह है कि जिस तरह ईरान ने होमूंज जलमार्ग को वाधित किया, उसकी वजह से अन्य देशों के साथ-साथ भारत को भी इसका बड़ा खमियाजा उठाना पड़ा है। यों भारत ने इसका विकल्प निकालने की कोशिश की है और तेल आयात के लिए अन्य कुछ देशों के साथ कूटनीतिक संवाद कायम किया है, लेकिन फिलहाल बाधित आपूर्ति श्रृंखला की वजह से अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ऐसे में ऊर्जा आयात के क्षेत्र में बढ़ती लागत और वित्तीय स्थितियों पर लगातार बढ़ते दबाव की वजह से अगर भारत की विकास - दर भी चुनौतियों के बीच है, तो यह एक स्वाभाविक स्थिति है। मगर इसका सामना करना इस बात पर निर्भर है। कि सरकार नए विकल्पों को लेकर कितना स्पष्ट है और कितनी इच्छाशक्ति के साथ पहल करती है।

साझेदारी की राह

जिस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, जैसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार को नई ऊंचाई देने का एक महत्त्वपूर्ण संकल्प लिया है। यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा। इसके अलावा, रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौते के साथ ही रक्षा, व्यापार और नवाचार से लेकर अन्य कई अहम क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरण के बीच रक्षा तथा आर्थिक संबंध एवं समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा । खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्त्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बड़ा है। गौरतलब है कि इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए साझा प्रयास करने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति वक्त का तकाजा है। हालांकि फिलहाल संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश इसे व्यावहारिक स्तर पर कितना और कैसे लागू करते हैं।

हद है, जीरो नंबर वालों का किया सलेक्शन तो माइनस वाले गए कोर्ट, बोले—हमने क्या गुनाह किया है हमें भी दो नौकरी, हाईकोर्ट बोला—मेरिट निरस्त करो, ये सब नहीं चलेगा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। क्या राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में सिलेक्शन का सिस्टम पूरी तरह से करप्ट हो गया है। मोटी तनख्वाह पाने वाले अफसर इतने मतिभ्रम हो गए हैं कि जीरो नंबर वालों तक को सरकारी नौकरी तक रखने पर तैयार हो गए हैं। यदि ऐसा है तो फिर माइनस में नंबर लाने वालों ने आखिर क्या बिगाड़ा है। मेहनत तो उन्होंने भी की है परीक्षा में बैठ कर ओएमआर शीट पर गोले काले करने की। बदले में उनको भी सरकारी नौकरी दे दी जाए। ये बात हम नहीं कर रहे हैं यह चर्चा हो रही है हाईकोर्ट में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती-2024 को लेकर। कोर्ट नाराज हो गया और अहम फैसला सुनाते हुए उन श्रेणियों की मेरिट लिस्ट रद्द कर दी है, जिनमें चयन बेहद कम अथवा शून्य कटऑफ पर किया गया था। अदालत ने दो टूक कह दिया कि किसी भी सरकारी भर्ती में न्यूनतम योग्यता स्तर तय किए बिना नियुक्तियां करना संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने विनोद कुमार की याचिका पर शुक्रवार को यह आदेश जारी किया। कोर्ट ने अधीनस्थ भर्ती परीक्षा बोर्ड को निर्देश दिए कि संबंधित श्रेणियों के लिए न्यूनतम अंक निर्धारित किए जाएं और उसके बाद नई मेरिट सूची जारी की जाए। अदालत ने टिप्पणी की कि भले ही भर्ती चतुर्थ श्रेणी पदों की हो, लेकिन सरकारी सेवा के लिए एक न्यूनतम मानक होना आवश्यक है। न्यायालय ने कहा कि चयन प्रक्रिया में गुणवत्ता का आधार समाप्त नहीं किया जा सकता। आपको बता दें कि इसमें 21 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हरेंद्र नील ने दलील दी कि विनोद कुमार ने एक्स सर्विसमैन (ओबीसी) श्रेणी में आवेदन किया था और परीक्षा में उनके अंक माइनस में आए थे। उन्होंने तर्क रखा कि कई श्रेणियों में कटऑफ लगभग शून्य तक पहुंच गई थी, जबकि बड़ी संख्या में पद अब भी रिक्त पड़े हैं।

जीरो वाले को चुन लिया तो माइनस वालों को भी नौकरी दो

याचिका में कहा गया कि जब 0.0033 जैसे बेहद कम अंकों पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, तब माइनस अंक प्राप्त करने वालों को पूरी तरह अयोग्य मानना उचित नहीं है। अधिवक्ता ने अदालत में यह भी कहा कि शून्य और माइनस अंक वाले अभ्यर्थियों की क्षमता में व्यावहारिक रूप से कोई बड़ा अंतर नहीं माना जा सकता।

बोर्ड ने दिया यह पक्ष

सुनवाई के दौरान कार्मिक विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से जोरदार तर्क किया गया व कहा गया कि भर्ती नियमों में न्यूनतम अंक तय करने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी आधार पर शून्य अंक के आसपास वाले अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

वल्लभनगर में पंचायत समिति सदस्य समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में शामिल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस को झटका देते हुए ग्राम पंचायत माल की टूस के पंचायत समिति सदस्य, वार्ड पंचों और कई सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। भाजपा ने इसे क्षेत्र में बढ़ते जनसमर्थन और विकास कार्यों पर जनता की मुहर बताया है। डबोक क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य नारायण लाल मीणा, वार्ड पंच भैरूलाल मीणा, चेनराम मीणा सहित करीब दो दर्जन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व सरपंच एवं पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शंकर चौधरी के सानिध्य में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान वल्लभनगर विधायक उदय लाल डांगी ने सभी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा मेनार मंडल और उदयपुर देहात संगठन से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रकाश जैन और मंडल महामंत्री प्रेम सिंह सारंगदेव प्रमुख रूप से उपस्थित थे। भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का कहना है कि वल्लभनगर क्षेत्र में विधायक उदयलाल डांगी के नेतृत्व में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। सड़क, आधारभूत सुविधाओं और जनहित के मुद्दों पर हो रहे कामों से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा की नीतियों में विश्वास जताया और पार्टी से जुड़ने का निर्णय लिया। राजनीतिक जानकार इसे पंचायत स्तर पर कांग्रेस के लिए बड़ा झटका मान रहे हैं। माल की टूस पंचायत में पंचायत समिति सदस्य और वार्ड पंचों का भाजपा में जाना स्थानीय सियासी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। माना जा रहा है कि इसका असर आने वाले पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। इस मौके पर विधायक उदयलाल डांगी ने कहा कि वल्लभनगर में विकास की नई तस्वीर उभर रही है और भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने नए कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर काम करने की बात कही।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 23 मई को उदयपुर आएंगे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 मई। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला शनिवार 23 मई को उदयपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री बिरला शनिवार दोपहर 2 बजे कोटा से सर्किट हाउस, उदयपुर पहुंचेंगे। श्री बिरला शाम 7:30 बजे फतह सागर स्थित होटल लेक एंड में स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे एवं रात्रि विश्राम सर्किट हाउस उदयपुर में रहेगा। श्री बिरला रविवार 24 मई को प्रातः उदयपुर से कोटा के लिए प्रस्थान करेंगे।

पुरुषोत्तम मास में इस्कॉन मंदिर में होगा श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ, 25 मई से शुरू होगी सात दिवसीय कथा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर, गगूंकुंड में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का शुभारंभ 25 मई से होगा, जो 31 मई तक प्रतिदिन सायंकाल 5 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित होगी। मंदिर अध्यक्ष मायापुर वासी प्रभु ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में श्रद्धालुओं को अधिकाधिक पुण्य लाभ प्राप्त हो, इसी उद्देश्य से विशेष धार्मिक आयोजन रखा गया है। कथा वाचन के लिए इस्कॉन के जोनल सुपरवाइजर श्री अनन्त शेष प्रभु, नागपुर (महाराष्ट्र) से विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्री अनन्त शेष प्रभु व्यासपीठ से अपनी मधुर एवं कर्णप्रिय वाणी में श्रीमद्भागवत के गूढ़ रहस्यों का वर्णन करेंगे तथा श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का रसास्वादन कराएंगे। मायापुर वासी प्रभु ने कहा कि अधिक मास को सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी माना गया है और इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से विशेष आध्यात्मिक फल प्राप्त होता है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की है।

गोगुंदा में 20 सेकंड में बाइक चोरी, CCTV में कैद हुआ बेखौफ चोर, सुराग बताने वाले को 5 हजार का इनाम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के गोगुंदा कस्बे में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब दिन निकलने से पहले ही खुलेआम वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। कस्बे में भारत गैस ऑफिस के पास स्थित होटल जय अम्बे के बाहर खड़ी एक बाइक को अज्ञात चोर ने महज 20 सेकंड में चोरी कर लिया। पूरी वारदात होटल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार अलसुबह करीब 4 बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक होटल के बाहर पहुंचता दिखाई देता है। उसने पहले आसपास नजर दौड़ाई और फिर बाइक के लॉक के पास लगे वायर तोड़ दिए। वायर टूटते ही बाइक की लाइट चालू हो गई। इसके बाद युवक आराम से बाइक पर बैठा, किक मारी और कुछ ही सेकंड में मौके से फरार हो गया। चोरी हुई बाइक हीरो स्प्लेंडर प्लस है, जिसका नंबर RJ27 AB 3361 बताया गया है। होटल संचालक धीरज खटीक ने बताया कि बाइक उनके होटल में काम करने वाले कर्मचारी नारू लाल गमेती की है, जो डुलावतों का गुड़ा गांव का निवासी है। उसके पिता का नाम गेहरी लाल गमेती है। होटल मालिक ने बताया कि घटना के बाद जब सीसीटीवी फुटेज देखा गया तो सभी लोग हैरान रह गए। फुटेज में चोर का चेहरा और पूरी हरकत साफ दिखाई दे रही है। गरीब परिवार से आने वाले कर्मचारी की बाइक चोरी होने के बाद होटल मालिक ने मानवीय पहल करते हुए बाइक या चोर का सुराग देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की है। घटना के बाद से स्थानीय व्यापारियों और कस्बेवासियों में रोष है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से आमजन में भय का माहौल है और चोरों में पुलिस का डर खत्म होता नजर आ रहा है। पीड़ित पक्ष की ओर से मामले की लिखित शिकायत गोगुंदा थाना पुलिस को सौंप दी गई है। पुलिस ने होटल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर बाइक बरामद की जाएगी।

उदयपुर में कल यहां रहेगी 7 घंटे बिजली कटौती

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के कई क्षेत्रों में शनिवार को सात घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विद्युत लाइनों के रखरखाव और तकनीकी कार्यों के चलते सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित पावर कट किया जाएगा। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्रों के साथ कई आवासीय और व्यावसायिक इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम के अनुसार 33/11 केवी आईटी पार्क पावर हाउस पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। इसके चलते 33 केवी जीएसएस से जुड़े विभिन्न फीडरों की सप्लाई बंद रखी जाएगी। बिजली विभाग ने बताया कि एएसडीसी गोलछा, यूआईटी फीडर, एफसीआई फीडर, आईटी फीडर और चैम्बर फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कटौती के दौरान गंगानगर शुगर मिल क्षेत्र, एफसीआई, यूनाइटेड स्प्रिट, वेयर हाउस, भारत पेट्रोलियम डिपो, रेलवे कॉलोनी, उदय विहार, आकाशवाणी केंद्र, अरिहंत विहार, पुरोहितों की मादड़ी, काला भाटा और आईटी पार्क क्षेत्र में बिजली बंद रहेगी। इसके अलावा आर्कगेट, फ्यूजन, वेस्टर्न ड्रग, ए कनेक्ट, अडवाया, श्रीनाथ पाइप, मीनाक्षी एंटरप्राइज, कोठारी प्लास्ट, सुरवी कलचेंम, पाइरोटेक, ईगल मिनरल, राज केसरी इलेक्ट्रिड, श्रीनाथ केमिकल, साईं बाबा, सिल्वर विव, गुरुप्रीत बिस्किट, समस्त आईटी पार्क और रोड नंबर-12 क्षेत्र भी प्रभावित रहेंगे। बिजली विभाग ने नागरिकों और औद्योगिक इकाइयों से अपील की है कि वे आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें, ताकि कटौती के दौरान असुविधा से बचा जा सके।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787



सज्जनगढ़ अभ्यारण में लगी आग, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर स्थित सज्जनगढ़ वन अभ्यारण में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। वन क्षेत्र से उठते धुएं और आग की लपटों को देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत वन विभाग और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे आग को अभ्यारण के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक दिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और न ही किसी वन्यजीव के नुकसान की सूचना सामने आई है। हालांकि आग की चपेट में आने से अभ्यारण क्षेत्र के कुछ पेड़-पौधे और सूखी झाड़ियां जलकर राख हो गईं। वन विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन विभाग हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील फोटो लेने का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म और अश्लील फोटो लेने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता पक्ष की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आरोपी अमजद खान निवासी पसूंद राजसमंद पर आरोप है कि उसने नाबालिग बालिका के अश्लील फोटो खींचकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में 21 मई को रात 8:22 बजे रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 351(3), पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 तथा आईटी एक्ट की धारा 67-बी के तहत प्रकरण दर्ज किया है। प्रकरण की जांच अधिकारी कर्मवीर सिंह राठौड़ को सौंपी गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।चोरों ने घर की अलमारी और अन्य सामान भी अस्त-व्यस्त कर दिया। वहीं गांव के एक मंदिर में भी ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन वहां से कुछ हाथ नहीं लगा। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जावर माइंस में चोरी की वारदात, ड्रिलिंग मशीनों का सामान लेकर फरार हुए बदमाश

24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर। जावर माइंस क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश देर रात माइंस क्षेत्र में घुसे और ड्रिलिंग मशीनों से संबंधित सामान चोरी कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी भगतसिंह पुत्र घसीटूजी, निवासी नंदला थाना कैहार जिला चंबा हिमाचल प्रदेश, हाल सुपरवाइजर एसके खेतान प्रा. लि. जावर माइंस ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 21 मई 2026 तड़के करीब 3 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति माइंस क्षेत्र में पहुंचे और ड्रिलिंग मशीनों का सामान चोरी कर ले गए। मामले में जावर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच एएसआई बद्रीलाल को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्र के CCTV फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

उदयपुर में मकान का ताला तोड़ नकदी-जेवरात चोरी, पारिवारिक विवाद के बीच मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित आरएचबी कॉलोनी में मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी करने तथा तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी कैलाश चंद्र गुप्ता पुत्र स्वर्गीय शांति स्वरूप गुप्ता, उम्र 69 वर्ष, निवासी रोशन नगर सवीना ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में बताया कि हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित उनके मकान को लेकर परिवारजनों के साथ स्वामित्व विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि 26 फरवरी की रात आरोपियों ने मकान के ताले तोड़ दिए और अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। साथ ही, मकान में रखी नकदी और जेवरात चोरी कर लिए। मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 303(2), 316, 61, 62 तथा बीएनएसए की धारा 175(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। रिपोर्ट में आरोपी के रूप में बालकिशन गुप्ता पुत्र शांति स्वरूप गुप्ता निवासी विद्यानगर, हिरण मगरी सेक्टर-4 सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। प्रकरण की जांच पुलिस अधिकारी सुरेश कुमार को सौंपी गई है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

डूंगरपुर में जमीनी विवाद ने ली जान, भतीजे पर चाचा की हत्या का आरोप

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। शहर के चांदपोल मोहल्ले में गुरुवार देर रात पारिवारिक जमीन विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद इतना बढ़ गया कि भतीजे ने कथित तौर पर अपने ही चाचा पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार चांदपोल निवासी सलीम का अपने भतीजे के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार रात दोनों पक्षों के बीच फिर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि गुस्से में आए भतीजे ने सलीम पर चाकू से वार कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल सलीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भतीजे को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ जारी है और मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है। इलाके में घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

24 न्यूज अपडेट में खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आई पुलिस

खबर का असर : खबर छपते ही पूरी हो गई युवक की 4 महीने की 'तपस्या', भूपालपुरा थाने में बाइक चोरी की एफआईआर दर्ज



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। आखिरकार 24 न्यूज अपडेट में खबर प्रकाशित और प्रसारित होने के बाद भूपालपुरा थाना पुलिस हरकत में आई और चार महीने से कार्रवाई का इंतजार कर रहे युवक की तपस्या पूर्ण हो गई। चार महीने से चक्कर लगाते हुए ना जाने क्या कमी रह गई थी युवक की तपस्या में। गुरुवार को थाने बुलाकर चोरी गई स्पोर्ट्स बाइक के मामले में एफआईआर दर्ज की गई। लंबे समय से थाने के चक्कर काट रहे पीड़ित युवक को अब जाकर कानूनी कार्रवाई का भरोसा मिला है। युवक ने भूपालपुरा थानाधिकारी सहित पुलिस महकमे को धन्यवाद दिया व कहा कि उसे पूरी उम्मीद है कि बाइक जल्द ही मिल जाएगी। आपको बता दें कि अलसीगढ़ निवासी मुकेश मीणा ने आरोप लगाया था कि उसकी करीब 3 लाख रुपए कीमत की यामाहा आर-15 स्पोर्ट्स बाइक 6 जनवरी 2026 की रात शास्त्री सर्कल स्थित उसके किराए के मकान के बाहर से चोरी हो गई थी। बाइक नंबर RJ27 AN 9942 को उसने रात करीब 11 बजे लॉक कर खड़ा किया था, लेकिन सुबह उठने पर बाइक गायब मिली। युवक ने तत्काल भूपालपुरा थाने में मौखिक सूचना देकर जिलेभर में वायरलेस भी करवाया, इसके बावजूद न तो बाइक का सुराग लगा और न ही एफआईआर दर्ज की गई। पूरे मामले को 24 न्यूज अपडेट ने 21 मई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित व प्रसारित किया था। खबर में यह सवाल उठाया गया था कि चोरी जैसे संज्ञेय अपराध में आखिर चार महीने तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई और पीड़ित युवक को बार-बार "सीआई साहब आएंगे तब कार्रवाई होगी" कहकर क्यों टालते रहे। खबर सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में हलचल मच गई। गुरुवार को युवक को भूपालपुरा थाने बुलाया गया, जहां उसकी लिखित रिपोर्ट लेकर मामला दर्ज किया गया। प्रार्थी मुकेश मीणा ने पुलिस की रिपोर्ट में बताया कि पिता की दिलाई बाइक चोरी होने के बाद उसने अपने स्तर पर दोस्तों, परिचितों और आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद अब उसने औपचारिक रूप से चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। भूपालपुरा थाना पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान की जिम्मेदारी हेड कांस्टेबल कमलेन्द्र सिंह को सौंपी गई है। एफआईआर की कार्रवाई गुरुवार शाम 4:47 बजे दर्ज की गई। गौरतलब है कि पीड़ित युवक ने बाइक का पता बताने वाले को 20 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा पहले ही कर चुका है। युवक का कहना था कि स्पोर्ट्स बाइक खरीदना उसका बचपन का सपना था और उसने सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर मेहनत से पिता की पहल पर किश्तों में बाइक खरीदी थी। बाइक के चोरी होने के बाद वह लगातार थाने जा रहा था मगर एफआईआर नहीं दर्ज हुई। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि संज्ञान चार महीने पहले ले लिया जाता तो बाइक चोरों के हौसले इतने बुलंद ना हो पाते। खैर देर आए, दुरूस्त आए। इस बीच एक और दिचलस्प बात सामने आई कि एफआईआर राजकॉप एप पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध नहीं करवाई गई है। एप पर खोजने से डाउनलोड के लिए प्रतिबंधित, अप्रकाशित आ रहा है।

बुलेट प्रूफ जैकेट पहनकर वारदात की तैयारी में था विनोद पथैना, लगड़ता हुआ पेशी पर



24 न्यूज अपडेट

भरतपुर। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में रंगदारी, जमीन कब्जाने और फायरिंग जैसी वारदातों में शामिल कुख्यात बदमाश विनोद पथैना को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच भरतपुर जिला कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान विनोद लंगड़ाते हुए नजर आया और पुलिसकर्मियों के सहारे कोर्ट तक पहुंचा। कोर्ट ने उसे और उसकी गैंग के छह सदस्यों को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात मथुरा गेट थाना पुलिस ने डीएसटी टीम की सूचना पर थाना क्षेत्र स्थित उन्नति होटल में दबिश देकर गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों में विनोद पथैना के अलावा केशव, अशोक, घनश्याम, जितेंद्र, गंगासहाय और हाकिम शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि गैंग राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुकी है। आरोपियों के कब्जे से हथियार, जमीनों के दस्तावेज और बुलेट प्रूफ जैकेट बरामद हुई है। पुलिस का मानना है कि गैंग किसी बड़ी वारदात या जमीन कब्जाने की साजिश रच रही थी। हरलाल मीणा, थाना अधिकारी मथुरा गेट ने बताया कि उन्नति होटल का संचालक जगदीश भी इस गैंग का सदस्य है। फिलहाल वह फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने विनोद पथैना के पास से एक पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक तलवार, कारतूस रखने का होल्स्टर और बुलेट प्रूफ जैकेट बरामद की है। वहीं आरोपी केशव के पास से भी एक देसी कट्टा मिला है। पुलिस के अनुसार विनोद पथैना गांव पथैना का रहने वाला है और उसके पिता रिटायर्ड पुलिस अधिकारी रह चुके हैं। हालांकि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने के कारण परिवार ने उसे बेदखल कर दिया था। कोर्ट में पेशी के दौरान विनोद लंगड़ाता हुआ नजर आया। पुलिस का कहना है कि दबिश के दौरान भागने की कोशिश में उसका पैर मुड़ गया था, जिससे वह घायल हो गया। दूसरी ओर उसके वकील विवेक हथैनी ने अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि पुलिस हिरासत में उसके साथ मारपीट की गई है। वकील ने वीडियोग्राफी के साथ दोबारा मेडिकल करवाने की मांग की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार विनोद पथैना पर पहले भी व्यापारियों से रंगदारी मांगने और फायरिंग करने के कई मामले दर्ज हैं। करीब तीन वर्ष पहले उसकी गैंग के सदस्यों ने जिम के बाहर एक कारोबारी के पैर में गोली मारी थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। फिलहाल पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे किस वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे और उनके नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

उदयपुर में 5 मिनट में घर के बाहर से चोरी हुई इको कार, CCTV में कैद हुई वारदात

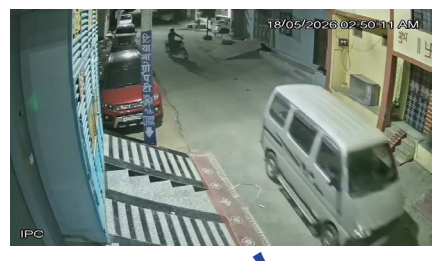

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में वाहन चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र के बलीचा स्थित दक्षिण विस्तार योजना में शातिर चोरों ने महज 5 मिनट के भीतर घर के बाहर खड़ी इको कार चोरी कर ली। पूरी वारदात कॉलोनी में लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार दक्षिण विस्तार योजना निवासी पवन खंडेलवाल ने रोज की तरह अपनी इको कार घर के बाहर खड़ी की थी। देर रात करीब 2:44 बजे दो युवक मोटरसाइकिल से कॉलोनी के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए हेलमेट और चेहरे को कपड़े से ढक रखा था। इसके बाद बाइक बंद कर दोनों पैदल कॉलोनी के अंदर दाखिल हुए। CCTV फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों आरोपी सीधे कार के पास पहुंचे और कुछ ही मिनटों में गाड़ी का लॉक खोल लिया। करीब 2:50 बजे आरोपी इको कार लेकर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात इतनी सफाई से अंजाम दी गई कि आसपास रहने वाले लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब वाहन मालिक पवन खंडेलवाल बाहर आए तो कार गायब देखकर उनके होश उड़ गए। आसपास तलाश करने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला तो कॉलोनी के CCTV फुटेज खंगाले गए, जिसमें चोरी की पूरी घटना सामने आ गई। फुटेज में यह भी नजर आया कि आरोपी पहले इलाके की रेकी करते हैं और सुनसान का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देते हैं। पीड़ित ने गोवर्धन विलास थाना में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस अब CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी हुई है। घटना के बाद कॉलोनी के लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं से अब घर के बाहर वाहन खड़ा करना भी जोखिम भरा हो गया है। वहीं इस वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और रात में होने वाली पुलिस गश्त पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रदेश में 4 लाख 50 हजार 663 लीटर वॉश नष्ट, कार्रवाई जारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 मई। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए। 1652 अभियोग दर्ज, 755 हुए गिरफ्तार आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक मई से 21 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 1652 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 16 लाख 9 हजार 715 रूपए लागत की 5994 लीटर, भारत निर्मित विदेषी मदिरा 3 करोड़ 17 लाख 6 हजार 354 रूपए की 31610 लीटर, बीयर 43 लाख 39 हजार 726 रूपए की 19295 लीटर, स्प्रिट 20 लीटर एवं हथकड़ शराब 11390 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉष 4 लाख 50 हजार 663 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 13, हल्के चार पहिया 3 एवं दुपहिया वाहन 56 सहित 73 वाहन जब्त करते हुए 755 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

ईपीएफ दलों की कार्रवाई

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अवैध शराब के विरूद्ध अभियान के तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा प्रदेश में गष्त, नाकाबंदी, दबिश की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में प्रदेष के राजसमन्द में आबकारी थाना क्षेत्र कामली घाट में 25 लीटर हथकड़ शराब जब्त करते हुए शराब की भट्टी को नष्ट किया गया। हनुमानगढ जिले के आबकारी थाना गंगागढ़ देबूगढ़ एवं गंगाघाट क्षेत्र में दबिश की कार्रवाई कर 5 हजार लीटर वॉष एवं 8 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई। पाली में ईपीएफ दल ने 36 बीयर बोतल सहित 28 पव्वे अंग्रेजी शराब के जब्त करते हुए मौके से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

उमरड़ा में खदान में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत, खेलते-खेलते पहुंचे थे गहरे पानी तक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के उमरड़ा क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक हादसे में दो चचेरे भाइयों की खदान में डूबने से मौत हो गई। दोनों बच्चे घर के पास खेलते-खेलते गहरी पानी से भरी खान तक पहुंच गए थे, जहां पैर फिसलने से वे पानी में गिर गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक क्षेत्र के पूर्व सरपंच लोगर मीणा के पोते बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान ओमकार मीणा (13) पुत्र नाथूलाल मीणा और कुंदन मीणा (15) पुत्र नानालाल मीणा निवासी उमरड़ा के रूप में हुई है। दोनों चचेरे भाई गुरुवार सुबह घर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान वे पास स्थित अरिहंत क्रेशर प्लांट की खान की ओर चले गए, जहां काफी गहराई तक पानी भरा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खान के किनारे खेलते समय अचानक दोनों बच्चों का संतुलन बिगड़ गया और उनका पैर फिसल गया। पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण दोनों किशोर उसमें समा गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मामले की जानकारी मिलते ही राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक दीपेंद्र सिंह राठौर ने तुरंत रेस्क्यू टीम को मौके पर रवाना किया। टीम ने घटनास्थल पर पहुंचते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और महज पांच मिनट के भीतर दोनों बच्चों के शवों को गहरी खान से बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू अभियान में गोताखोर विजय नकवाल, रवि शर्मा और भवानी शंकर वाल्मीकि ने अहम भूमिका निभाई। वहीं बोट ऑपरेटर कैलाश मेनारिया और चालक प्रकाश राठौड़ भी टीम के साथ मौजूद रहे। रेस्क्यू टीम ने दोनों शवों को बाहर निकालकर मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। हिरणमगरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

लेकसिटी में सियासी नौतपा शुरू, जन सुनवाई पर गुलाबजी को डॉ.विप्लवी की चिट्ठी- "रकबा तेरी जमीन का मीलों हुआ तो क्या, रकबा तेरे दिल का दो इंच भी नहीं।"



24 न्यूज अपडेट

नौतपा से पहले सियासत तप रही है। लू चल रही है, अंगारे बरस रहे हैं। ताप—संताप के बीच बरसों के किस्सों में छिपी टीस शोलों की शक्ल में शब्द बनकर दिलों को छेदने निकल पड़ी है। कलम ने आग लगा दी है मगर सवाल ये है कि किसके अरमां अंगारों पर हैं। किसके जिगर में आग धधक रही है। क्या वो जो जन सुनवाई कर अपना खूंटा मजबूत करना चाहते हैं, छवि प्रबंधन के अपने विश्वविद्यालय के कुलगुरू बनने को फिर से आतुर हो चले हैं या फिर वे जो बरसों की मर्यादाओं के छद्म धुंधलके और प्रपंच की लक्ष्मण रेखाओं को लांघ कर अब आर—पार की महाभारत रचने को तैयार खड़े है। हर बार दिलचस्प होते हैं चिट्ठियों के प्रसंग, उसमें छिपे सवालों और जवाबों के सिलसिले। चिट्ठियों के सहारे आमजन को भी पार्टी के नेताओं व उनके मानस में झांकने का सुनहरा मौका मिल जाता है और वो समझने लगता है कि यहां सब कुछ कितना मायावी है, छल—कपट और मतलबपरस्ती से भरपूर है। सब साथ हैं, सबका साथ हैं मगर सब एक दूसरे की जड़ों पर प्रहार के मौके तलाशने में दिन रात एक किए हुए हैं। बहरहाल भाजपा के अंदरखाने की कुछ बातें इस बार भी वरिष्ठ नेता व बरसों तक पार्टी में जमीनी जाजम पॉलिटिक्स के कर्णधार रहे डॉक्टर विजय प्रकाश विप्लवी की महामहिम Gulab Chand Kataria को लिखी चिट्ठि में सामने आईं हैं। अपने अपने बायासनेस, अपने खेमे और अपने अपने विचारों के अनुरूप आप भी पढ़कर जरूर लें अर्थों और निहितार्थों का पॉलिटिकल आनंद, चार दशक पुराने रिश्तों की कसक, संगठन की अंदरूनी राजनीति, उपेक्षा का दर्द, सार्वजनिक जीवन की नैतिकता और सत्ता के व्यवहार पर तीखे कटाक्ष का आनंद। यह पत्र सामान्य विरोध नहीं, बल्कि मेवाड़ की राजनीति में फेंका गया एक "चिट्ठी बम" बनता नजर आ रहा है।

जन सुनवाई आखिर किए लिए,,,???

24 मई को उदयपुर सर्किट हाउस में प्रस्तावित जनसुनवाई को लेकर लिखे गए पत्र में विप्लवी ने सीधे-सीधे पूछा है कि क्या किसी दूसरे राज्य के संवैधानिक पद पर बैठे राज्यपाल को अपने गृह राज्य में बार-बार आकर जनसुनवाई करने और स्थानीय प्रशासनिक-राजनीतिक गतिविधियों में दखल देने का अधिकार है? पत्र का स्वर व्यक्तिगत कम और वैचारिक अधिक है। इसमें आरोप हैं, कटाक्ष हैं, स्मृतियां हैं, संगठन की राजनीति का दर्द है और संवैधानिकता की दुहाई भी।

"राज्यपाल की भूमिका या समानांतर सत्ता?"

डॉ. विप्लवी ने अपने पत्र में राज्यपाल (भत्ते और विशेषाधिकार) संशोधन नियम-2015 का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपालों को अपने गृह राज्य के बार-बार दौरों से बचने की सलाह दी गई है। इसके बावजूद गुलाबचंद कटारिया के लगातार उदयपुर दौरों और वहां आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमों को उन्होंने संवैधानिक मर्यादा के खिलाफ बताया। सवाल उठाया गया है कि जब राजस्थान में निर्वाचित सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौजूद हैं, तब पंजाब के राज्यपाल का उदयपुर में जनसुनवाई करना किस अधिकार क्षेत्र में आता है? विप्लवी इसे "समानांतर सत्ता केंद्र" बनने की कोशिश बताते हैं।

संविधान के अनुच्छेदों का हवाला देकर घेरा

पत्र में अनुच्छेद 1, 50, 153 और 154 सहित संविधान की सातवीं अनुसूची का उल्लेख करते हुए लेखक ने राज्य और संघ की शक्तियों के विभाजन की याद दिलाई है। उन्होंने लिखा कि जब संविधान हर राज्य के लिए अलग राज्यपाल, मुख्यमंत्री और प्रशासनिक ढांचा तय करता है, तब दूसरे राज्य में जाकर प्रशासनिक हस्तक्षेप की प्रवृत्ति किस आधार पर उचित ठहराई जा सकती है? विप्लवी लिखते हैं कि "हम दोनों ने संविधान पढ़ा है, उसकी परीक्षा दी है, फिर यदि हम ही उसकी मूल भावना की अनदेखी करें तो यह और अधिक गंभीर हो जाता है।"

"आप टिकट लेकर कहां तैयार बैठे थे?"

पत्र का सबसे तीखा हिस्सा वह है, जहां डॉ. विप्लवी ने कटारिया के एक पुराने बयान को आधार बनाकर उनकी राजनीतिक सक्रियता पर सवाल खड़े किए। उन्होंने याद दिलाया कि उदयपुर की प्रेस वार्ता में कटारिया ने भाजपा नेता धर्मनारायण जोशी को लेकर कहा था — "हम तो उनको टिकट देने के लिए तैयार बैठे थे।" विप्लवी ने इसी बयान को पकड़ते हुए पूछा कि जब उस समय वे राज्यपाल पद पर थे, तब टिकट वितरण की राजनीति में उनकी भूमिका क्या थी? और वे "कहां तैयार बैठे थे" — गौहाटी राजभवन में या उदयपुर स्थित माछला मगरा आवास पर?

भाजपा की अंदरूनी राजनीति भी निशाने पर

पत्र में उदयपुर भाजपा की गुटबाजी का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। एक वरिष्ठ महिला भाजपा नेता के बयान का जिक्र करते हुए विप्लवी ने पूछा कि क्या उदयपुर भाजपा में "कटारिया गुट" सक्रिय है? पत्र यह संकेत देने की कोशिश करता है कि राज्यपाल पद पर रहते हुए भी यदि किसी नेता का स्थानीय संगठनात्मक समीकरणों में प्रभाव बना रहता है, तो यह संवैधानिक निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

"40 साल का हिसाब" : समर्थक से असंतुष्ट कार्यकर्ता तक की कहानी

इस चिट्ठी का सबसे दिलचस्प और भावनात्मक हिस्सा वह है, जहां डॉ. विजय विप्लवी ने अपने और कटारिया के चार दशक पुराने संबंधों का विस्तृत ब्यौरा दिया है। उन्होंने 1985 के चुनाव से लेकर भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका, चुनाव प्रचार, सांसद कार्यकाल में सहयोग, पदयात्राएं, बूथ प्रबंधन और मंडल अध्यक्ष बनने तक के प्रसंग गिनाए। इस दौरान जीवनसिंह कोठारी, शशिकांत बनोरिया, प्रमोद सामर, रविन्द्र श्रीमाली, रजनी डांगी, मदनलाल सैनी, शिवकिशोर सनाढ्य और धर्मनारायण जोशी जैसे नाम भी पत्र में संदर्भों के साथ सामने आते हैं।

विप्लवी ने लिखा कि 1989-90 में कटारिया के सांसद कार्यकाल के दौरान वे सात महीने तक डाक-पत्र व्यवस्था में सहयोगी रहे। सेक्टर-4 स्थित अपने घर से साइकिल पर माछला मगरा निवास तक जाना, वहां से डाक लाना और बापू बाजार भाजपा कार्यालय में पत्रोत्तर तैयार करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। 1991 की हार के बाद निकली पदयात्रा में "गुलाब कटारिया मत घबराना, तेरे पीछे सारा जमाना" के नारे लगाने वालों में खुद को शामिल बताते हुए विप्लवी ने 1993 में बड़ीसादड़ी जाने के निर्णय के वक्त चित्तौड़ स्टेशन पर हुई मुलाकात का भी उल्लेख किया है।

पत्र में यह दर्द भी दर्ज है कि 2004 में संगठन पुनर्गठन के दौरान उन्हें दायित्व से हटा दिया गया और 2005 में भाजपा राणा प्रताप मंडल अध्यक्ष चुने जाने के बाद भी उन्हें लगातार हाशिये पर रखा गया। विप्लवी लिखते हैं कि पिछले 20 वर्षों से संगठन में उनकी उपेक्षा की गई, लेकिन इसके बावजूद वे वैचारिक रूप से सक्रिय बने रहे।

विकास, लोकार्पण और "फीता राजनीति" पर तंज

विप्लवी ने कटारिया के विकास कार्यों और लोकार्पण कार्यक्रमों पर भी तीखा व्यंग्य किया। उन्होंने लिखा कि असम और पंजाब के राज्यपाल रहते हुए भी उदयपुर में छोटे-छोटे निर्माण कार्यों के उद्घाटन और शिलालेखों पर नाम अंकित कराने की प्रवृत्ति सवाल खड़े करती है। पत्र में कमल तलाई, आयड़ नदी, हिरणमगरी सेक्टर 3 से 6 की स्मार्ट रोड, वार्ड 59 का आरसीसी चौक, वार्ड 31 टेम्पो स्टैंड शेड और झीणीरेत चौक के चबूतरे तक का उल्लेख है।

विप्लवी ने कटाक्ष किया कि क्या राजस्थान में मंत्री और जनप्रतिनिधियों का "अकाल" पड़ गया था, जो राज्यपाल को गोगुन्दा की सड़क, महाराणा भूपाल चिकित्सालय की लैब और सज्जनगढ़ के कार्यक्रमों तक में लोकार्पण करना पड़ा?

जमीन, रजिस्ट्री और सार्वजनिक शुचिता के सवाल

पत्र का एक बड़ा हिस्सा जमीन, रियल एस्टेट और संपत्ति से जुड़े आरोपों पर केंद्रित है। विप्लवी ने हाथीधरा (बड़ी) क्षेत्र के कुछ लोगों द्वारा दिए गए दस्तावेजों का हवाला देते हुए ग्रेटर कैलाशनगर कॉलोनी का जिक्र किया, जहां कथित रूप से दो रजिस्ट्रियों में विक्रेता के रूप में गुलाबचंद कटारिया का नाम दर्ज होने की बात कही गई है। पत्र में सवाल उठाया गया कि यदि कॉलोनी की प्लानिंग और जमीन के क्रय-विक्रय से उनका संबंध रहा है तो वहां के लोगों को राहत क्यों नहीं मिल पा रही?

इसके साथ ही जयपुर हाउसिंग बोर्ड के तीन मकानों और उदयपुर के एक मकान के आवंटन, मूणवास की जमीन की रजिस्ट्री में हाईवे से जुड़ी भूमि को आधा किलोमीटर दूर दर्शाकर स्टाम्प ड्यूटी बचाने के आरोपों का भी उल्लेख किया गया है। विप्लवी ने यह भी लिखा कि हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में कटारिया के एक एडीसी के पद छोड़कर पंजाब में रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ने की खबर छपी थी, जिसने नई चर्चाओं को जन्म दिया। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इन दस्तावेजों का आधिकारिक सत्यापन अभी बाकी है।

अंत में कविता, कटाक्ष और संवैधानिक अपील

पूरे पत्र में कई जगह शेरो-शायरी, तंज और भावनात्मक वाक्य हैं। एक जगह वह लिखते हैं — "रकबा तेरी जमीन का मीलों हुआ तो क्या, रकबा तेरे दिल का दो इंच भी नहीं।"

वहीं अंत में हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों की तर्ज पर संदेश देते हैं — "छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।"

रेडियंट एकेडमी का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से आयोजित, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की अग्रणी शिक्षण संस्था द रेडियंट एकेडमी का 6वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह, हर्षोल्लास एवं पारिवारिक वातावरण में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं संस्था से जुड़े सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में ऊर्जा, आनंद और उत्सव का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश चन्द्र सोमानी सर एवं पुष्पा सोमानी मैडम ने की , जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री हरीश राजानी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों के आगमन पर संस्था परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र सोमानी जी ने सभी अतिथियों को उपरना पहनाकर सम्मानित किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में ने रेडियंट एकेडमी की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं अनुशासित वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि संस्था लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण एवं संस्कारों का विकास भी उतना ही आवश्यक है, और रेडियंट एकेडमी इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में रमेश चंद्र सोमानी सर एवं पुष्पा सोमानी मैम ने संस्था के सभी शिक्षकों एवं टीम सदस्यों को उनके समर्पण, मेहनत एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संस्था की निरंतर सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन एवं अभिभावकों का विश्वास सबसे बड़ी ताकत है। समारोह में विशेष आकर्षण के रूप में राष्ट्रीय कवि अजात शत्रु ने अपनी ओजपूर्ण एवं हास्य रस से भरपूर कविताओं की प्रस्तुति देकर उपस्थित सभी लोगों का मन जीत लिया। उनकी शानदार काव्य प्रस्तुति पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उनकी कविताओं का भरपूर आनंद लिया। स्थापना दिवस समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, मनोरंजक गेम्स एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के दौरान संस्था परिवार के बीच सौहार्द एवं अपनत्व का विशेष माहौल देखने को मिला। सभी शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सभी टीम सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में संस्था प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कर्मचारियों की सम्मानजनक आजीविका के लिए हरसंभव प्रयास होंगे : प्रो. कैलाश डागा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 मई। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में स्ववित्त पोषित सलाहकार बोर्ड के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों द्वारा नव नियुक्त कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा एवं विश्वविद्यालय कला महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता प्रो. नीरज शर्मा का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम कला महाविद्यालय स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय कर्मचारी मौजूद रहे।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मन्ना लाल रावत उपस्थित रहे, जबकि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन (संविदा/एसएफएबी) के संरक्षक प्रतीक सिंह राणावत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। संगठन के अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने बताया कि अतिथियों का पारंपरिक मेवाड़ी अंदाज में माला, उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद मन्ना लाल रावत ने कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों के समाधान का भरोसा दिलाते हुए कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे कर्मचारियों के साथ जयपुर और दिल्ली तक जाकर उनकी आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी जायज मांगों के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

नवनियुक्त कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों के आत्मसम्मान और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन गंभीरता से कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारियों की वाजिब मांगों पर सकारात्मक और वैधानिक तरीके से विचार किया जाएगा। संवाद और समन्वय के माध्यम से ऐसा समाधान निकाला जाएगा, जिससे कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक जीवन यापन का अवसर मिल सके। कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक प्रतीक सिंह राणावत ने विश्वास जताया कि कुलगुरु के अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से कर्मचारियों के हित में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कर्मचारियों से एकजुट होकर अपनी मांगों को संगठित रूप से रखने का आह्वान किया। समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से करीब 200 कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों ने कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा का उपरणा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। संचालन मनीष बंसल ने किया, जबकि अंत में अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने सभी अतिथियों और उपस्थित कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

आरपीएससी ने निकाली लेक्चरर भर्ती, 121 पदों पर होंगे आवेदन

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक (विशेष शिक्षा) के 121 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। भर्ती से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार पदों का वर्गीकरण और अन्य जरूरी दिशा-निर्देश आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए गए हैं। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि अभ्यर्थी 1 जून 2026 से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून 2026 रात 12 बजे तक निर्धारित की गई है। भर्ती के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष तय की गई है। आयु की गणना 1 जनवरी 2027 को आधार मानकर की जाएगी। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और किसी भी प्रकार के ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को आयोग के एसएसओ पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा।चयन प्रक्रिया लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी। परीक्षा तिथि और परीक्षा केंद्रों की जानकारी आयोग द्वारा बाद में अलग से जारी की जाएगी।

आवेदन और भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आरपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।